



सत्ता हथियाने के
लिए BJP ने 91
लाख मतदाता
हटाए: ममता
▶ देखें अंदर

NBT

नवभारत टाइम्स

बंगाल में सत्ता
परिवर्तन होगा,
TMC के पाप
का घड़ा भरा: PM
▶ देखें अंदर



एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।



Arihant Seasons
RERA No. UPRERAPR3974543/02/2026 | www.up-rera.in/viewprojects
HDFC BANK LTD.
Account No. - 99992604202527 | IFSC Code: HDFC0000088
Branch: Ansal Arcade, Sec. 18, NOIDA
Launch Date: 24-02-2026



ALL SEASONS. ONE ADDRESS.

SECTOR 22D
YAMUNA EXPRESSWAY

3 & 4 BED RESIDENCES
REVEALING SOON

www.arihantbuildcon.com

80100 00108

Member Of:
CREDAI
NATIONAL CAPITAL REGION (WESTERN UP)

Honouring Women Authors

SPOTLIGHT



बदली कलम में (बाएं से दाएं): नारायणी बसु, तिकता लाल, प्राची दिगंबर भुसारे, रानी शशीरा, दुर्गा कलार में (बाएं से दाएं): दीक्षंकर मुकुर्मी, सुशी ताय्य, स्वाति पांडेय, आर्या मित्त, रंजिता मुकुर्मी, कावेरी नाथिसन, नीना रावन्नानी, ए.एस. मेहत, एच.बी. शिकानिया, जय भद्रावार्जी रोज, कबीर बेदी, सुदीप नगरकर, रिमल पिशा, जई हिटेकर, वेल्ली शेवर, उर्मिला श्याम, सुमि राज, अमृत शाह, रविशंकर किरसान, कार्ष्णे, प्रीति रोनीय, किरण मराल, राधा कुमार और नील डी शिल्पा

परिवर्तन की प्रेरक ध्वनियां

जेके पेपर द्वारा प्रस्तुत और द टाइम्स ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित ऑथर अवॉर्ड्स के सातवें सीजन में उन आवाजों को मंच मिला, जो स्त्रियां सामाजिक मान्यताओं को चुनौती देती हैं और सार्थक संवाद को आगे बढ़ाती हैं।



बाएं से दाएं: प्रीति रोनीय, कार्ष्णेक श्रॉफ, सोहा अली खान, सुदीप नगरकर, किरण मराल, राधा कुमार, रविशंकर किरसान, अमृत शाह, जई हिटेकर, नीना रावन्नानी, प्राची दिगंबर और नील डी शिल्पा

Himanshi.Duseja. @timesofindia.com

महिलाओं को लेखनी केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पहचान, प्रतिरोध और परिवर्तन की एक सशक्त ताकत के रूप में उभरती है। पितृसत्ता जैसी स्थायी चुनौतियों के बीच यह बेहद जरूरी हो जाता है कि ऐसी कहानियां सामने आए, जो कठिनाई सामाजिक मानदंडों को चुनौती दे, साहज को प्रेरित करें और महिलाओं को जीवन के विविध आयामों को समने लाने। इसी उद्देश्य के साथ जेके पेपर ने द टाइम्स ऑफ इंडिया के सहयोग से ऑथर अवॉर्ड्स के सातवें सीजन का आयोजन किया, जिसमें उन महिला लेखिकाओं को सम्मानित किया गया, जो अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्य को उत्कृष्ट स्वर देती हैं।



बाएं से दाएं: दीक्षंकर मुकुर्मी, रंजिता मुकुर्मी, रानी शशीरा, कबीर बेदी, एच.बी. शिकानिया और ए.एस. मेहत

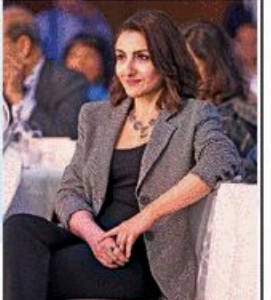


एस. हर्सेन जैदी, जय भद्रावार्जी रोज और वेल्ली शेवर

को पहचानने, सम्मानित करने और उन्हें सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पिछले सात सीजन में इस मंच को 12,000 से अधिक इंट्रीज मिल चुकी हैं। महिला अभिव्यक्ति की विविधता को उजागर करते हुए ऑथर अवॉर्ड्स को हिंदी के अग्रणी पत्रिका जय भद्रावार्जी रोज ने उल्लेखनीय सहयोग में कहा, "पीछले तक पुस्तकालय सुनाई जाने वाली मीडिया परंपराओं से लेकर सत्ता संरचनाओं को चुनौती देने वाले उपन्यासों तक, महिला लेखिकाओं ने दुनिया को देखने का नया नजरिया मिला है। फिर भी स्त्रियों के लिए उन्नति आवाजों को समर्थन देना, हरिण पर रखा गया था दबा दिया गया। लेकिन इन बहादुरों के बावजूद उन्हे हार नहीं मानी। वे बरसों जिम्मेदारियों के बीच, अपने पेशेवर काम से पहले या बाद में, सुबह के शुरुआती घंटों में या रात के घुराए गए समय में छुट्टी नहीं से लिखती रहीं।"

हर्षणी शिकानिया ने कहा, "आज की रात हम उन महिलाओं का जन्म मना रहे हैं, जिन्होंने क्रांतिवादी दिनों को चुनी है, स्त्रियों को चुनौती देती हैं और कई खर समकाल की विधा बदल देती हैं।" उन्होंने आगे कहा, "समय के साथ यह आयोजन पुरस्कार समारोह से कहीं अधिक बन गया है। आज ऑथर अवॉर्ड्स सफल बनने वाली पहल बन चुका है, जिसमें स्त्रियों और कॉलेजों में लेखकों के साथ साहज और एक बहती हुई पेशेवर भ्रूण के लिए साहित्य को विभिन्न मंचों तक पहुंचाया जा रहा है।"

कहानियां सदा करने का अवसर मिलता है, जो बदलाव को प्रेरित करती हैं। इस समारोह में लेखिका वेल्ली शेवर और एस. हर्सेन जैदी के बीच एक 'फायरसाइड चैट' भी आयोजित की गई, जिसका सवालन जय भद्रावार्जी रोज ने किया। इस चर्चा में पिछले वर्ष प्रकाशित नॉन-फिक्शन प्रारूप पुस्तक 'भाषिया वीस ऑफ इंडिया' के सह-लेखन के अनुभवों पर रोचक विचार सामने आए।



ऑथर अवॉर्ड्स का चेहरा रंजी सोहा अली खान।

जुड़ी के सर्पित और सूक्ष्म मूल्यांकन प्रक्रिया ने यह सुनिश्चित किया कि हजारों इंट्रीज में से सबसे योग्य प्रतिभाएं ही अंभरकर सामने आए।

सेल्स और मार्केटिंग प्रमुख पार्वी शिकानिया ने कहा, "खजान आज भी अभिव्यक्ति का एक सत्ता मध्यम है, और ऑथर अवॉर्ड्स के माध्यम से महिला लेखिकाओं को प्रभावशाली

इस वर्ष के आयोजन में 3,000 से अधिक इंट्रीज प्राप्त हुईं, जो विभिन्न साहित्यिक विधाओं में महिलाओं की अपनी आवाज पहचानने, उसे सम्मानित करने और उन्हें सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

कुमार, अमृत शाह और रविशंकर किरसान शामिल थे। बच्चों के साहित्य की जुरी में जई हिटेकर, नीना रावन्नानी और नील डी शिल्पा शामिल रहे। इंटरेक्टिव सत्र के दौरान सोहा अली खान ने कहा, "साहित्यिक शिल्प महत्वपूर्ण है और कहानी भी प्रभावशाली होनी चाहिए, लेकिन एक अच्छी कहानी साहित्य के अनिवार्य फल के बाद भी जारी रहनी चाहिए।"

उर्मिला श्याम को साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए एडवोकेट ऑथर अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, "मेरी सभी महिलाओं का आभार व्यक्त करने चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया, खासकर मैथिली पवार, जिन्होंने मेरे मराठी साहित्य का अंशुली में अनुवाद किया और अनिता भारती, जिन्होंने उन्हे हिंदी में अनुवादित किया। इस अवसर पर मैं यह भी कहना चाहती हूँ कि साहित्य के शुरुआती दौर में मेरे साथ बहुत कम महिला लेखक थीं, लेकिन आज उन्हीं सख्त काफ़ी बढ़ गई हैं।"

कार्यक्रम का सम्मान अव्यक्त एवं निदेशक ए.एस. मेहत के धन्यवाद श्रापण के साथ हुआ। उन्होंने कहा, "असख इंट्रीज, उत्कृष्ट पुस्तकें और प्रतिभावशाली लेखकों की रचनाएं, साथ ही जुड़ी का विचारशील मूल्यांकन और समर्थन, यह सुनिश्चित करते हैं कि ऑथर अवॉर्ड्स साहित्यिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखे।"

कार्यक्रम का सम्मान अव्यक्त एवं निदेशक ए.एस. मेहत के धन्यवाद श्रापण के साथ हुआ। उन्होंने कहा, "असख इंट्रीज, उत्कृष्ट पुस्तकें और प्रतिभावशाली लेखकों की रचनाएं, साथ ही जुड़ी का विचारशील मूल्यांकन और समर्थन, यह सुनिश्चित करते हैं कि ऑथर अवॉर्ड्स साहित्यिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखे।"

JK PAPER presents **AUTHER awards** Enriching lives. In association with THE TIMES OF INDIA. **SEASON 7**

विजेताओं की लिस्ट

साहित्यिक अवॉर्ड्स अवॉर्ड्स

- उर्मिला पवार

सर्वश्रेष्ठ लेखक (फिक्शन)

- कावेरी नाथिसन - राइजिंग सनस (पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया)

सर्वश्रेष्ठ लेखक (नॉन-फिक्शन)

- श्रीधा राजन - खर (वेस्टवैड बुक्स)
- नारायणी बसु - एमैन फॉर अल सीजंस (वेस्टवैड बुक्स)

सर्वश्रेष्ठ श्रेष्ठ लेखक

- स्वाति पांडेय - इन्विजिबल इन प्लेन साइट: वॉयसज़ फ्रॉम द बाय - लेन्स ऑफ़ कमाठीपुत्र (जगन्नाथ बुक्स)
- सुशी ताय्य - टैल्स फ्रॉम द डेन-लिट माउटेन्स (पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया)

सर्वश्रेष्ठ कल साहित्य लेखक

- तिकता लाल - गणेश हलौई: कलर्स ऑफ़ होम (आर्टिस्ट और केमपफ़ए)

सर्वश्रेष्ठ मैच्यूरिटाइ डिसेंट

- विजिता - सान्धी शशीरा - सिटी ऑफ़ ड्रम
- उपविजित - प्राची दिगंबर भुसारे - द अननोन रेस्यु

विजेताओं की लिस्ट

- उर्मिला पवार
- आर्या मित्त
- स्वाति पांडेय
- सुशी ताय्य
- विरा रंजन
- नारायणी बसु
- तिकता लाल
- कावेरी नाथिसन

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनसीआर | शुक्रवार, 10 अप्रैल 2025

कुछ लड़ाइयों का कोई विजेता नहीं होता। कभी-कभी एक अच्छे सेनापति के लिए सबसे बेहतर परिणाम फेरल युद्धविराम ही होता है।
- एम. वेज, अमेरिकी लेखिका

समझदारी की जरूरत

अमेरिका और ईरान ने जब दो हफ्ते के सौजन्य पर सहमत हुए तो, तभी जाहिर था कि इस पर टिके रहना आसान नहीं होगा। इसके लिए दोनों पक्षों से जिस संघर्ष और समझदारी की उम्मीद थी, वह अभी तक नजर नहीं आई। बाइडेन के चुनाव, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शनिवार से ईरान के साथ बातचीत शुरू होगी, लेकिन इसके लिए पहले जरूरी है कि सौजन्य पर कड़ाई से फातवा दिया जाए।

सबसे बड़ा हमला। संघर्ष विराम का पूरी दुनिया में स्वागत किया था, लेकिन कुछ घंटों के भीतर ही इराकल ने लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला कर दिया। एक ही दिन में दो सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। हिजल्लाह के लेबनान की इस संघर्ष में घातक तौर का नतीजा है कि अभी तक करीब 12 लाख लेबनानी विस्थापित हो चुके हैं और 1700 से अधिक मारे हुए हैं।

लेबनान का संसर्ग। लेबनान में इराकली हमलों की वजह से मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है और पिछले साल ही कि इसकी वजह से अर्ध-मिलियन सौजन्य पर भी दांव पर लगा चुका है। इराकल का कहना है कि सौजन्य पर लेबनान शामिल नहीं और ईरान इसके बिना बातचीत को लेकर नहीं है। लेकिन की मांगों को लेकर भी अमेरिका कुछ नहीं लाता, खासकर यूरोपीय संघ की संकेत देने पर अब देखें कि क्या होगा।

बहाली पर सौजन्य। इन संकेतों के बावजूद पाकिस्तान में प्रजापति शांति जार्जों की फिलहाल उम्मीदों की सबसे बड़ी किरण है। लेकिन, अगर इराकल के लेबनान पर हमले जारी रहते हैं और बतले में ईरान की मिझाले छाड़ी देशों पर गिरती है, तो सौजन्य पर कोई मतलब नहीं रह जाएगा, और युद्ध के दोबारा शुरू होने की आशंका बनी रहेगी। दोनों पक्षों को अपने बर्तनों की भी संयम रखने की जरूरत है। ट्रेप की धमकी, कि अगर समझौता नहीं हुआ तो पहले से ज्यादा बड़े हमले होंगे, कृतनीतिक समझौता नहीं है। शांति जार्जों धमकी को बुनियाद पर नहीं हो सकती।
दांव पर भविष्य। इस संघर्ष में इतना संभव कर दिया है कि डेडलिन पर धमकीयों के बजाय है। अमेरिकन अपने लक्ष्य को तब तक से नहीं पा सकते। इराकल ने छाड़ी देशों को सुरक्षा देने की इसकी क्षमता और लक्ष्य के रूप में भरोसे को चेष्टा हुई है। अगर वह बातचीत में सखी समझौता तक पहुंचे है, तो नुकसान की कुछ भरपाई हो सकती है। इससे ईरान को भी प्रशंसनीय के बीच अपनी छवि सुधारने और परेश हालत बेहतर करने का मौका मिलेगा। दोनों पक्षों को कि इस जार्जों पर पूरे विश्वम एशिया का भविष्य टिका है।

तिराहा

पाषाण काल

‘इतिहास की विशेषता है कि वह समझ नहीं, समझ देता है। इतिहास पाषाण कालों में तो उसकी आप प्रतीक करने में मदद के कि मिट्टा नमूने मिले हैं। कब्रिक, वे पुरु की लीला, नाइस की मार, समुद्र के शरीरों से लिखे हैं। अब चुनिचा की रेत पर इतिहास लिखने का चयन है। सख की लहरों के हिस्से में वे काने-विगतते रहते हैं। जैसे जैसे कोई पाषाण काल की स्थापना की जा कर रहा है तो उसके लिए पत्थर जैसा कलेजा भी चाहिए।
‘पाषाण काल तक मनुष्य के भीतर बंदर प्रेम शक्ति मिश्र रूप हो रहा था। पाषाण संकेतों की थी, लेकिन इशरों पर नाचने की स्थापना नहीं थी। नाचनी थी था तो अपनी खुशी के लिए। फिर, हम सत्य हो गए और अपनी डोर मजारी के साथ में सौंप दी। मनुष्यत्व गुण में रहने वाली बंदर, बंदर नाच रहा है। उस दौर में पत्थर की दीवारें नहीं थी। हमारे विकास के नए आद्यम गढ़े, दीवारों के काम बन्ना। हमारी सुनो की क्षमता का विस्तार हुआ, लेकिन उसी अनुपात में समझने की क्षमता का त्वग करना पड़ा।
‘पाषाण युगों में दीवारों पर संभवनाओं के चित्र खींचे, पत्थरों से मोटे पानी के झरोके फूटे। हमने दीवारों में दरारें खींची दी, जिसके साथ हम भी दरक रहे हैं। पत्थर से पत्थर टकएर, चिंगारी फूटी। उन्होंने आग जलाना सीखा। श्रानि पक्षों के रूप में हमने आग लगाया सीखा। इस कला को ‘घर को आग लग गई घर के ही विचार से’ तक के सोपान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने म्हाल जला समूहिकता को जन्म दिया। हमने मिझाले बनाई है और सामूहिकता की कला बना रहे हैं।’ सुमनितने ने पाषाण युग की प्रशंसना पर अपना भाषण खत्म किया।
‘पाषाण युग इतना प्रेरक है तो इसके नवप्रश्नोत्तर इसके निर्माण से पीछे कब हट गए?’ सुभान ने पूछा। इसके दो संभावित उत्तर हैं। पहला, बंदर कभी एक जलत पर नहीं टिकते। दूसरा, जिसके खुद के घर शरीर के हो, वे दूसरे पर पत्थर नहीं फेंक सकते। सुमनितने ने जवाब दिया।

एकदा
संकलन • रेनु सैनी

बुद्ध भगत की बहादुरी

बुद्ध भगत का जन्म 17 जनवरी 1792 को गंघी के सिवाई गांव में हुआ था। बचपन से ही वह चालीस और चतुर थे। तीर-गोचर से सटीक निशाना लगाता उनको पहचान बना चुका था। उस समय श्रेष्ठ आदिवासियों पर अत्याचार कर रहे थे। युवा बुद्ध ने स्थिति को समझा और अपने साथियों से कहा- ‘जंगल हमारा घर है, हम पेड़ों की आड़ लेकर अंधों पर हमला कर सकते हैं।’ उनकी रणनीति सफल रही। सखी निगमनी करते और सफल मिले ही अचानक हमले होते। धीरे-धीरे बुद्ध भगत अंधों के लिए चुनौती बन गए। उन्होंने आसपास के गांवों को संरक्षित कर पत्थर, तीर, तलवार और मुल्ले इकट्ठा किया। 1832 में उन्होंने अपने साथियों के साथ अंधों पर तीरों और पत्थरों की वर्षा कर दी, जिससे अंधों प्रभव उठे। उन्हें कड़ाई के कई प्रयास आसपास रहे। अंततः अंधों जान डपे बड़ी लकत में सफल हुए। सीमांत संघर्षों में बुद्ध बुद्ध और उनके साथी उठे। लेकिन गोलत-बलरुद के सामने उनके हथियार टिक न सके। 14 अप्रैल 1832 को वे अपने लगान डेड रहे साथियों के साथ योग्यता को प्राप्त हुए।

एकदा
संकलन • रेनु सैनी

बुद्ध भगत की बहादुरी

बुद्ध भगत का जन्म 17 जनवरी 1792 को गंघी के सिवाई गांव में हुआ था। बचपन से ही वह चालीस और चतुर थे। तीर-गोचर से सटीक निशाना लगाता उनको पहचान बना चुका था। उस समय श्रेष्ठ आदिवासियों पर अत्याचार कर रहे थे। युवा बुद्ध ने स्थिति को समझा और अपने साथियों से कहा- ‘जंगल हमारा घर है, हम पेड़ों की आड़ लेकर अंधों पर हमला कर सकते हैं।’ उनकी रणनीति सफल रही। सखी निगमनी करते और सफल मिले ही अचानक हमले होते। धीरे-धीरे बुद्ध भगत अंधों के लिए चुनौती बन गए। उन्होंने आसपास के गांवों को संरक्षित कर पत्थर, तीर, तलवार और मुल्ले इकट्ठा किया। 1832 में उन्होंने अपने साथियों के साथ अंधों पर तीरों और पत्थरों की वर्षा कर दी, जिससे अंधों प्रभव उठे। उन्हें कड़ाई के कई प्रयास आसपास रहे। अंततः अंधों जान डपे बड़ी लकत में सफल हुए। सीमांत संघर्षों में बुद्ध बुद्ध और उनके साथी उठे। लेकिन गोलत-बलरुद के सामने उनके हथियार टिक न सके। 14 अप्रैल 1832 को वे अपने लगान डेड रहे साथियों के साथ योग्यता को प्राप्त हुए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान में बड़े लक्ष्य तय किए थे, आखिर सीजफायर पर आना पड़ा जंग में ट्रंप ने अमेरिका को हराया

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जब धमकी दी कि आज वन एक पूरी सैन्य खत्म हो जाएगा, तो पूरी दुनिया हिल गई। अगर यह धमकी सच में पूरी होती, तो ट्रंप का नाम इतिहास में 13वीं सदी के मंगोल शासक ओंगेडेई खान के साथ लिखा जाता। ओंगेडेई के हमलों ने पश्चिमी सैन्य को घिरा देने के काबार पर लड़ दिया था।

हमले जारी। ट्रंप हालांकि अपनी ही तप की हुई डेडलिन से पीछे हट गए और ईरान के साथ दो हफ्ते के संघर्ष विराम का ऐलान किया। वैसे सच यह भी है कि सौजन्य पर चिंतित होने के बावजूद धमकीयों और हमले जारी हैं। इराकल अब लेबनान पर पहले से ज्यादा बम बरस रहा है और ट्रंप ने यह दिख है कि अमेरिकी सैन्य क्षेत्र में तैनात होंगे।

लक्ष्य आरंभ। इस पूरी घटनाक्रम से अमेरिकी सैन्य क्षमता को विश्वस्तनीयता को नजरअंदाज कर दिया है। ट्रंप ने ट्रंप बहुत बड़े लक्ष्य लेकर उभरे थे - इस्लामिक शासन को गिराना, मिझाले और परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना और होमजुन ट्रेट पर मंडर रहे खतरों को हटाना। 40 दिनों की बर्तनी के बाद तबतक यह कि इराकल ने अब भी इस्लामिक शासन को गिराना, मिझाले शक्त को नुकसान जरूर पहुंच पर यह कायम है और उसके पास 60% तक एनरिज किया हुआ 440 किलो यूरेनियम मौजूद है।
होमजुन का सच। इस संघर्ष में होमजुन एक बड़ा मुद्दा रहा, पर हकीकत यह है कि वह गहरा तै कभी पूरा तरह नहीं है।



अमेरिकी दबदबे को चुनौती। लगातार धमकीयों के बाद भी तेहरान डटा रहा। ईरान की ताकत और जवाब देने की क्षमता कायम। नेटो से मनप्राप्त, US की सख को लगा बखल।

शुरू होगी, तो इस मुद्दे पर प्रतिबन्धित रहने का इरादा नहीं होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जब धमकी दी कि आज वन एक पूरी सैन्य खत्म हो जाएगा, तो पूरी दुनिया हिल गई। अगर यह धमकी सच में पूरी होती, तो ट्रंप का नाम इतिहास में 13वीं सदी के मंगोल शासक ओंगेडेई खान के साथ लिखा जाता। ओंगेडेई के हमलों ने पश्चिमी सैन्य को घिरा देने के काबार पर लड़ दिया था।

हालांकि तैवर किया गया था। इतना मतलब है कि पाकिस्तान ने अपनी मध्यस्थता नहीं की, जितना अमेरिकन को बच निकलने का रास्ता दिया। वह हमले के संघर्ष में अगर कोई स्पष्ट विजेता है, तो पाकिस्तान।

इराकल फैक्टर। इराकल ने सौजन्य रूप से सौजन्य पर सार्थक किया है, लेकिन उसकी रणनीतिक प्राथमिकता अब अमेरिकन से अलग हो सकती है। कई जानकारों का मानना है कि अमेरिका ने इराकली हिलों के लिए हमले शुरू किए थे, अब आगे इराकल समझौते को मानना है या नहीं - इसमें ही फिचिय तय होगा।
चीन की भूमिका। अमेरिकन को मिले चीन युद्ध को लागत से ही ज्यादा है। यूरोपीय देशों का मदद के लिए आना और NATO पर अंतर डालना, डेडी-डिफेंसिबल रीजन में वाशिंगटन कमजोर पड़ सकता है। चीन पर बात करना भी बनता है, जिसकी भूमिका काफी हद तक पड़े के पीछे डाली। शांति फल पर चर्चा के लिए पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार चुन गए थे। असेम मुन्वी भी चुने जा सकते हैं। चीन ने पीछे हटकर इस्लामाबाद का समर्थन किया।
आगे क्या। अब बातचीत बतले हुए म्हाल में होगी। अमेरिका अब भी सैन्य रूप से मजबूत है, पर जाहिर हो चुका है कि तबतक के बल पर वह वननीतिक लक्ष्य इस्लाम नहीं कर सकता। बिना सैन्य जोंत की भाषा बोलने वाले ट्रंप को अब वास्तविक समझौते के तर्क को समझना पड़ सकता है।
(संकेत में Understanding the India-China Border नाम से किताब लिखी है।)

लंबी फिल्मों के साथ म्हाल को सीरीज का भी ट्रेंड

कोविड महामारी के समय ऑनलाइन डिजिटल देखने की आदत लोगों में तेजी से बढ़ी। तब यह कहा जा रहा था कि ऑनलाइन देखने की आदतों में दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली वेब सीरीज और फिल्में पसंद आएंगी। भारत में ऐसा नहीं हुआ।

कॉमन रूम
आज दुनिया में 1-2 मिनिट के एपिसोड वाले म्हाल सीरीज का चलन बढ़ा है। लेकिन हमारे यहां फिल्में और वेब सीरीज की लंबाई बढ़ रही है। अब तो चार-चार घंटे की फिल्में बन रही हैं और दर्शक उन्हें देखने के लिए डिभेगापरों में जा रहे हैं। जो लंबे लंबे तो ऐसे हैं जो पांच-छह घंटे की वेबसीरीज को एक बार में पूरा देख लेते हैं। इससे पता चलता है कि दर्शकों को अगर कॉन्टेंट पसंद आ गया तो वह उसे घंटों बैकग्राउंड देख सकते हैं। भारत कॉन्टेंट खतरा रहा तो वह अपना थोड़ा खत्म भी जाया करता पसंद नहीं करते हैं।
ऊर्जाव ट्रेंड। भारत के मनोरंजन जगत में अर्जीव ट्रेंड दिख रहा है। कुछ डेड टैप (OTT) प्लेटफॉर्म म्हाल सीरीज पेश करने की योजना बना रहे हैं। अब टीवी उद्योग भी कैकडी एपिसोड के जवाब 40-50 एपिसोड वाले पावरवॉरिक पर जोर दे रहा है। भारत फिल्मों को इससे फलबत नहीं है। थ्रिलर सिद्ध की पूर्ण, पुषा-2, बॉर्डर-2 जैसी फिल्में इसका उदाहरण हैं। ये सभी फिल्में 3 घंटे से ज्यादा की थीं। डेटलर और फिल्म शुरू होने से पहले अपने जाल विज्ञापनों का समय भी घंटे में दे बतन 4 घंटे से भी ज्यादा का हो जाता है। लेकिन, दर्शकों ने फिर भी इन फिल्में को अपना वक्त दिया। दर्शकों की पसंद के कारण इन फिल्में में बंपर कमाई की।

संयम से ऐसे पहले पुराने सीरीज निपाट देते हैं। दर्शक अपने ऐसे अनुभव संश्लेष सिद्धिज में भी सख्ता करते हैं। अब फिलहाल ही अपने पसंदीदा पावरवॉरिक के कई शो एक बार में OTT प्लेटफॉर्म पर देख लेते हैं।

भारत में कोविड। दुनिया में पाइक्रो सीरीज देखने वाली की तलाश भी अर्जीव रही है। आन अमेरिका और चीन में लोकप्रिय म्हाल सीरीज के कई एपिसोड एक से डेड मिनिट के रूप में और देखे जाने वाले पावर परंद कर रहे हैं। निदेश में पापुलर होते इस ट्रेंड को अब भारत में भी लाने की कोशिश की जा रही है। भारत में भी कई OTT प्लेटफॉर्म म्हाल सीरीज पेश कर रहे हैं। कई अंधे म्हाल सीरीजों में ऐसे कॉन्टेंट लाने की योजना बना रहे हैं। इतना लक्ष्य वे लोग हैं, जो संश्लेष सिद्धिज प्लेटफॉर्म पर रीट देखने में घंटों समय बिताते हैं।

संयम से ऐसे पहले पुराने सीरीज निपाट देते हैं। दर्शक अपने ऐसे अनुभव संश्लेष सिद्धिज में भी सख्ता करते हैं। अब फिलहाल ही अपने पसंदीदा पावरवॉरिक के कई शो एक बार में OTT प्लेटफॉर्म पर देख लेते हैं।

शाहबाज की करकोल से कूटनीति वाली राजनीति

IMF के समूने करकोल (मीश का कटौत) लेकर जाने की बात कहने के लिए आलोचना होने वाले पाकिस्तानी वीरम शहाबाज शरीफ अमेरिका-ईरान सौजन्य पर महत्वपूर्ण नेतृत्व कायम उभरे हैं। उनका समार उलार-चढ़ाव भरा रहा है।

ससाह की शख्सियत
2017 में अपने भाई और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नजर शरीफ के लंदन आगने के बाद शहाबाज ने ही मुश्किल हालात में पाकिस्तान मुद्रिस्त लीग (PML-N) की कामना संभाली। इस दौरान वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री भी रहे। 2022 में इस्लाम खान सरकार के डिजिटल अधिवास प्रस्ताव के दौरान शहाबाज को 151 प्रमुख सभा सदस्यों ने उर्दू सेना का विरहबसाय बनाया।



मुन्नीर के मुरीद
प्रधानमंत्री के तौर पर आर्थिक संकट और राजनीतिक चुनौतियां झेलने वाले शहाबाज शुरू से सेना को लड़ने में रहे हैं। उनका मानना है कि पाकिस्तान में सेना और नागरिक मनुष्य मिलकर शासन चला रहे हैं। पिछले साल उन्होंने सेना प्रमुख असेम मुन्नीर को प्रमोशन देने के लिए संविधान में भी संशोधन कर दिया। इस युद्ध विराम का श्रेय भी उन्होंने मुन्नीर को दिया है।
प्रस्तुति • अमिकेश मिश्र

टिकट नहीं चाहिए, पार्टी कहेगी तो घर बैठ जाऊंगा

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की कांग्रेस से अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही है। महेश पांडे के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि कैसे उनके आग्रह पर भी संयम नहीं को पार्टी में शामिल नहीं कराया गया, जिससे वह आहत हुए। पेश है बातचीत के मुख्य अंश:

- उत्तराखंड कांग्रेस में क्या चल रहा है? अंदरूनी कलह की वजह से क्या चुनाव पर असर पड़ेगा? हम लोकतांत्रिक पार्टी हैं। हमें अपनी बात रखने की आजादी है। लेकिन, कभी-कभी विवाद हो जाते हैं। जब तक चुनाव की बात है तो हम एकजुट होकर काम करेंगे और पार्टी को जितावेंगे।
- चुनाव समिति में न रखने से आरकोी प्रेरणा हुई? मुझे उन रश्मिचिंथों में रहना ही नहीं था। मैं वह जरूर चाहता था कि मेरे कुछ लोग उभरें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे अब भी लगता है कि कुछ लोगों को शामिल किया जाएगा।
- धारतल्ला के विधायक हरीश और पूर्व सांसद प्रदीप टट्टा भी आपकी उपेक्षा का दावा कर रहे हैं? मैं गमनाम के संयम नहीं को शामिल करना चाहता हू। इसके लिए मैंने प्रदेश के सभी पदाधिकारियों सहित अपनी रहन व प्रदेश की केंद्रीय प्रशासकीय शैलन तक से भेंट की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिससे मुझे दुःख है।
- कांग्रेस में 6 गैरा आएं हैं, उनसे आपकी कोई नाराजगी? सबात ही नहीं है। उनमें से 3 को तो मैंने ही कांशिस में आने के लिए प्रेरित किया था। पार्टी में आने के बाद वे मुझसे मिलने भी आए।
- पार्टी ने आपको केंद्र में मंत्री बनाया, प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। अब उपेक्षा की बातें क्यों हो रही? मैंने भी पार्टी की सेवा की है। मैं आज भी पार्टी के हर फैसले में साथ हूँ। मैं कह चुका हूँ कि अब पुरे लोगों को मैक मिलना चाहिए। मुझे अब उन से कोई पर और न ही टिकट चाहिए। लेकिन, मैं पार्टी के सत्ता में लाने के लिए दिन-ब-रात काम करूँगा। अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है, तो मुझे सामान्यपूर्वक विदाई दे दी जाना चाहिए। पार्टी कहेगी तो मैं घर बैठ जाऊंगा।
- क्या डॉ. हरक सिंह रावत के आने से आप असहज हैं? सभी जानते हैं कि उन्होंने पार्टी और सरकार के साथ क्या किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोडियाल ने उन्हें लंबे वक्त के लिए मुख्यमंत्री का आग्रह किया। उनके कहने पर ही मैंने पुरानी बातें भूल दीं। पार्टी की जीत के लिए मैं अब भी उनके साथ हूँ, लेकिन उनके बचने से विवाद हो रहा है। वह अब म्हाल पर ही निशाना साध रहे हैं।
- क्या अंदरूनी कलह की वजह से आप लोग पिछला चुनाव हार गए? पार्टी ने इससे संकट नहीं सीखा? मुझ पर तो आपसे है कि 2017 और 2022 के चुनाव में मेरी आग्रहों में हार हुई। मैंने इसकी जिम्मेदारी भी ले ली। लेकिन, किसी ने यह नहीं देखा कि हार के बावजूद भी अंधे शेर बंधा। हम लगे चुनव नहीं होते, लेकिन हमारा जनाधार कमजोर नहीं हुआ।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की कांग्रेस से अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही है। महेश पांडे के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि कैसे उनके आग्रह पर भी संयम नहीं को पार्टी में शामिल नहीं कराया गया, जिससे वह आहत हुए। पेश है बातचीत के मुख्य अंश:

- उत्तराखंड कांग्रेस में क्या चल रहा है? अंदरूनी कलह की वजह से क्या चुनाव पर असर पड़ेगा? हम लोकतांत्रिक पार्टी हैं। हमें अपनी बात रखने की आजादी है। लेकिन, कभी-कभी विवाद हो जाते हैं। जब तक चुनाव की बात है तो हम एकजुट होकर काम करेंगे और पार्टी को जितावेंगे।
- चुनाव समिति में न रखने से आरकोी प्रेरणा हुई? मुझे उन रश्मिचिंथों में रहना ही नहीं था। मैं वह जरूर चाहता था कि मेरे कुछ लोग उभरें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे अब भी लगता है कि कुछ लोगों को शामिल किया जाएगा।
- धारतल्ला के विधायक हरीश और पूर्व सांसद प्रदीप टट्टा भी आपकी उपेक्षा का दावा कर रहे हैं? मैं गमनाम के संयम नहीं को शामिल करना चाहता हू। इसके लिए मैंने प्रदेश के सभी पदाधिकारियों सहित अपनी रहन व प्रदेश की केंद्रीय प्रशासकीय शैलन तक से भेंट की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिससे मुझे दुःख है।
- कांग्रेस में 6 गैरा आएं हैं, उनसे आपकी कोई नाराजगी? सबात ही नहीं है। उनमें से 3 को तो मैंने ही कांशिस में आने के लिए प्रेरित किया था। पार्टी में आने के बाद वे मुझसे मिलने भी आए।
- पार्टी ने आपको केंद्र में मंत्री बनाया, प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। अब उपेक्षा की बातें क्यों हो रही? मैंने भी पार्टी की सेवा की है। मैं आज भी पार्टी के हर फैसले में साथ हूँ। मैं कह चुका हूँ कि अब पुरे लोगों को मैक मिलना चाहिए। मुझे अब उन से कोई पर और न ही टिकट चाहिए। लेकिन, मैं पार्टी के सत्ता में लाने के लिए दिन-ब-रात काम करूँगा। अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है, तो मुझे सामान्यपूर्वक विदाई दे दी जाना चाहिए। पार्टी कहेगी तो मैं घर बैठ जाऊंगा।
- क्या डॉ. हरक सिंह रावत के आने से आप असहज हैं? सभी जानते हैं कि उन्होंने पार्टी और सरकार के साथ क्या किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोडियाल ने उन्हें लंबे वक्त के लिए मुख्यमंत्री का आग्रह किया। उनके कहने पर ही मैंने पुरानी बातें भूल दीं। पार्टी की जीत के लिए मैं अब भी उनके साथ हूँ, लेकिन उनके बचने से विवाद हो रहा है। वह अब म्हाल पर ही निशाना साध रहे हैं।
- क्या अंदरूनी कलह की वजह से आप लोग पिछला चुनाव हार गए? पार्टी ने इससे संकट नहीं सीखा? मुझ पर तो आपसे है कि 2017 और 2022 के चुनाव में मेरी आग्रहों में हार हुई। मैंने इसकी जिम्मेदारी भी ले ली। लेकिन, किसी ने यह नहीं देखा कि हार के बावजूद भी अंधे शेर बंधा। हम लगे चुनव नहीं होते, लेकिन हमारा जनाधार कमजोर नहीं हुआ।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की कांग्रेस से अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही है। महेश पांडे के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि कैसे उनके आग्रह पर भी संयम नहीं को पार्टी में शामिल नहीं कराया गया, जिससे वह आहत हुए। पेश है बातचीत के मुख्य अंश:

- उत्तराखंड कांग्रेस में क्या चल रहा है? अंदरूनी कलह की वजह से क्या चुनाव पर असर पड़ेगा? हम लोकतांत्रिक पार्टी हैं। हमें अपनी बात रखने की आजादी है। लेकिन, कभी-कभी विवाद हो जाते हैं। जब तक चुनाव की बात है तो हम एकजुट होकर काम करेंगे और पार्टी को जितावेंगे।
- चुनाव समिति में न रखने से आरकोी प्रेरणा हुई? मुझे उन रश्मिचिंथों में रहना ही नहीं था। मैं वह जरूर चाहता था कि मेरे कुछ लोग उभरें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे अब भी लगता है कि कुछ लोगों को शामिल किया जाएगा।
- धारतल्ला के विधायक हरीश और पूर्व सांसद प्रदीप टट्टा भी आपकी उपेक्षा का दावा कर रहे हैं? मैं गमनाम के संयम नहीं को शामिल करना चाहता हू। इसके लिए मैंने प्रदेश के सभी पदाधिकारियों सहित अपनी रहन व प्रदेश की केंद्रीय प्रशासकीय शैलन तक से भेंट की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिससे मुझे दुःख है।
- कांग्रेस में 6 गैरा आएं हैं, उनसे आपकी कोई नाराजगी? सबात ही नहीं है। उनमें से 3 को तो मैंने ही कांशिस में आने के लिए प्रेरित किया था। पार्टी में आने के बाद वे मुझसे मिलने भी आए।
- पार्टी ने आपको केंद्र में मंत्री बनाया, प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। अब उपेक्षा की बातें क्यों हो रही? मैंने भी पार्टी की सेवा की है। मैं आज भी पार्टी के हर फैसले में साथ हूँ। मैं कह चुका हूँ कि अब पुरे लोगों को मैक मिलना चाहिए। मुझे अब उन से कोई पर और न ही टिकट चाहिए। लेकिन, मैं पार्टी के सत्ता में लाने के लिए दिन-ब-रात काम करूँगा। अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है, तो मुझे सामान्यपूर्वक विदाई दे दी जाना चाहिए। पार्टी कहेगी तो मैं घर बैठ जाऊंगा।
- क्या डॉ. हरक सिंह रावत के आने से आप असहज हैं? सभी जानते हैं कि उन्होंने पार्टी और सरकार के साथ क्या किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोडियाल ने उन्हें लंबे वक्त के लिए मुख्यमंत्री का आग्रह किया। उनके कहने पर ही मैंने पुरानी बातें भूल दीं। पार्टी की जीत के लिए मैं अब भी उनके साथ हूँ, लेकिन उनके बचने से विवाद हो रहा है। वह अब म्हाल पर ही निशाना साध रहे हैं।
- क्या अंदरूनी कलह की वजह से आप लोग पिछला चुनाव हार गए? पार्टी ने इससे संकट नहीं सीखा? मुझ पर तो आपसे है कि 2017 और 2022 के चुनाव में मेरी आग्रहों में हार हुई। मैंने इसकी जिम्मेदारी भी ले ली। लेकिन, किसी ने यह नहीं देखा कि हार के बावजूद भी अंधे शेर बंधा। हम लगे चुनव नहीं होते, लेकिन हमारा जनाधार कमजोर नहीं हुआ।



भागवत से पुरखों का, तो पेड़-पौधों से धरती का मोक्ष होगा

आर्यवेद का पुरुष सूक्त ईश्वर, ब्रह्मांड और मनुष्य के बीच के संबंध को परिभाषित करता है। यह सृष्टि विज्ञान और अध्यात्म का संगम है। इस प्राचीन सूक्त में परमात्मा को एक विरह स्वरूप के रूप में बताया गया है। इसका अर्थ है कि वह पूरा संसार उन्हीं परमात्म का विस्तार है।

आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या ग्लोबल वार्मिंग है। वह सूरज की भाँति मूढ़ बना खड़ी है, जिसका एकमात्र उपाय है प्रकृति से प्रेम। विरह स्वरूप का साथ खिलनाइ की वजह से अब हमें प्राकृतिक विषदाओं का समना करना पड़ रहा है। नदियाँ को दुर्घिन किया जा रहा है, पेड़ काटे जा रहे हैं, वायु प्रदूषित की जा रही है। फिर प्राकृतिक विषदा आने पर कहते हैं कि परमात्मा हमसे नावज है।

संगमरत के मंदिर, धर्मशास्त्रों करोड़ों रूपये की लतासे से बने हैं। इन्हें हर कोई नगना नहीं सकता, लेकिन हम से क्या एक पेड़ तो कोई भी लगा सकता है। आने एक पेड़ लगाया, समझे आपने एक मंदिर बनाया। अपने एक पेड़ लगा दिया, तो समझिए कि औद्योगिक खोल दिया। बहा गूबा है कि नाहित फूलम अर्वाधमपु। अपने एक पेड़ लगाया, समझे आपने पराशात खोल दी। कई बंधे पुराणिक वहां आकर इन पेड़ की लाय में बनेंगे। आर्यम करो, भोजन करो। जलोत्थी में कदा गूबा है कि भागवत से निवृत्तों का मोक्ष होता है, लेकिन हमारी पृथ्वी का मोक्ष हो इसलिए यह जरूरी है कि क्या हम भी रूप, रंग और रंग बदलते। तो पुरु की दक्षिण, पुरु आने का संकल्प और जसम लोडने का संकल्प - इससे सक्सा कल्याण होगा। इस रूप में फल प्रकृति की पूजा होगी। देखने में आ रहा है कि लोग पीपरोषण तो करते हैं, लेकिन फिर फल्ट कर डेड देखने भी नहीं जाते। बतने है कि देश में हर सलत कवेतों की संख्या से बढ़े लगाए जाते हैं। उनमें से कितने बड़े होते हैं, क्या देखने वाला कवेतों की। प्यन रखना खुद को और अपने वाली अपनी भौती को प्रकृतिक अग्रदाओं से बचना है तो विरह स्वरूप की पूजा करो, बनी नदियों को दुर्घिन मत करो, पेड़ों की पुववत रखा और देखभाल करो। यही पूजा है।
प्रस्तुति • सुधाप चंद शर्मा



NBT आज का इतिहास

आज ही मिला था सेफ्टी पिन का पेटेंट

आज ही के दिन 1849 में अमेरिकी मेकैनिक वाल्टर हंट (Walter Hunt) को सेफ्टी पिन का पेटेंट मिला था। उन्होंने 15 डॉलर का कर्ज चुकाने के लिए सिर्फ तीन घंटे में पिन के लिए एक नया तरीका खोजा था। इससे पहले कार रिपेयर और नुकीले किरीसों को ठकाने वाले सूक्ष्म कर्ज कर लगे थे। आज भी सही पिनने से लेकर फटे कपड़े के चुंबक तक, सेफ्टी पिन हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा है।



Front Page-2

NBT वायरल फोटो

9 हजार की स्कूली किताबों

घंडीगढ़ के शासक का विधिवे वायरल है। दूसरी बलास पौ किताबों का 9,000 रुपये का बिल दिखा रहे हैं। इससे प्राइवेट स्कूलों की लूट पर हंगामा मच गया है।



अब फोटो छपवाने का मोका भी



रोज की खबरों पर कितानी पैनी नजर है, आजमार्

1. ब्रिटेन के रक्षा मंत्री का क्या नाम है, जिन्होंने इराक को लेबरान पर हमले रोकने को कहा?
 - A. डेविड कैमरन B. जॉन होली C. रिशि सुनक
2. निम्नलिखित नाम का सत्यतः गुरुद्वारा से किस देश में संबंध है?
 - A. लीरिया B. लेबनान C. इराक
3. धर्मसत सौव्युअरी किस राज्य में है, जहां अविधवायन धर्म में है?
 - A. UP B. राजस्थान C. मध्य प्रदेश
4. राजस्थान के रणमण्डित का क्या नाम है, जो सीतामती कुमार को सत्यतः के रूप में शपथ दिलाए?
 - A. जयदीप धनसूद B. चं. पी. राधाकृष्णन C. ओम विल्ल
5. अजित पवार के बेटे का क्या नाम है, जिन्होंने राजस्थान सत्यतः के रूप में शपथ ली?
 - A. पार्थ पवार B. रोहित पवार C. सुभाष पवार

कल के जवाब

- 1. C. रिशि सुनक
- 2. A. लीरिया
- 3. A. राजस्थान
- 4. B. चं. पी. राधाकृष्णन
- 5. A. पार्थ पवार

लकी विनर्स

1. नरेश कुमार, कवीदादा
2. वीरक कुमार गुप्ता, दिल्ली
3. मोतिलाल, दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ पता भेजें। nbtreader@timesofindia.com पर, साध में फोटो भी भेजें। सम्बन्ध में KMG लिखें। सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापें। पत्रक आज के पेश की खबरों में ही छपे हैं।

‘मंदिर में किस्सी की एंट्री रोकनी तो समाज बंटेगा’

सबरीमला केस में SC ने कहा- हर केंद्र बोला, 2018 का फैसला 'पुरुष मंदिर तक सबकी पहुंच होनी चाहिए' श्रेष्ठ की धारणा पर दिया गया था

Rajesh Choudhary @timesofindia.com



9 जजों की बेध सबरीमला में महिलाओं की एंट्री से जुड़े केस सुनी रही है।

■ नई दिल्ली: सबरीमला केस में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि हर व्यक्ति को सभी मंदिरों और मठों तक पहुंच मिलनी चाहिए। किसी एक वर्ग के नाम पर दूसरी को जगह से रोकना, जो सार्वजनिक आरंभ स्थल पर प्रवेश और समाज में विभाजन ब्रिंगे। कोर्ट ने सबरीमला मंदिर में विशेष अनुमति को नकारने के प्रश्न पर रोक का समर्थन किया। कहा, 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित था कि पुरुष श्रेष्ठ हैं। सॉलिसिटर जनरल गुणमोहन ने कहा, यह पुरुष-केन्द्रित या महिला-केन्द्रित धार्मिक मान्यताओं का सबाल नहीं है। सौभाग्यवश कौन सा धर्मनाथन ने कहा, श्री वेङ्कटस्वामी देविक स्वयं मंदिर वृत्त में सुप्रीम कोर्ट का पुराना फैसला सही नहीं था। उस फैसले में कोर्ट ने माना था कि सार्वजनिक प्रकृति के मंदिरों में सभी वर्गों के हिंदुओं को प्रवेश मिलना चाहिए, नतीजे ही मंदिर किस्में विशेष संरक्षण से मुक्त हों।

‘दूसरे धर्मों के लोगों की एंट्री पर पूरी रोक नहीं’
वेङ्कटस्वामी ने कहा, सबरीमला मंदिर में दूसरे धर्मों के लोगों के प्रवेश को रोकना-केन्द्रित धार्मिक मान्यताओं का सबाल नहीं है। अन्य कोई ईशान्य या मुस्लिम भवन अलग से अस्था रखत हैं जो उनके प्रवेश पर रोक नहीं है। धार्मिक संस्थाओं की अवधारणा को फिर एक धर्म में संमित करके नहीं देखा जा सकता।

जजों ने दिए अलग-अलग उदाहरण
जस्टिस सुरेश ने कहा, केवल के कुछ मंदिरों में शर्ट पहनकर प्रवेश की अनुमति नहीं होती। ऐसे में ईशान्य यह नहीं कह सकता कि वह अपने इच्छा में शर्ट पहनकर ही मंदिर जायें। C.J. सुब्रमण्यम बोले, नुरुवागुर मंदिर में पुरुषों को शर्ट पहनने की अनुमति नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट सख्त

बाल तस्करी गंभीर मामला, राज्य कदम उठाएं: SC

■ NBT फोटो: नई दिल्ली : देश में बढ़ती बाल तस्करी के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गहरी चिंता जताई। जजों और केन्द्र शासित प्रदेशों को सख्त चेतावनी दी कि इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया जाए। कहा कि बाल तस्करी के गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अल्प राशियों में तुरंत लेना कदम नहीं उठाए जाये। नतीजे निश्चिंतता से बंधन जा सकती है।



कोर्ट ने राज्य के रविवे पर नाबालग नवतले हुए कहा कि कई जगहों पर अभिहित राजनीतिक और प्रशासनिक इशारासहित दिखाई नहीं दे रही है। अदालत ने विशेष रूप से टन जजों और केन्द्र शासित प्रदेशों के जिले रविवे पर असावधानी जताया। नितोले 2025 के फैसले के अनुपालन में उम्मीद के मुताबिक कदम नहीं उठाए। अदालत ने बाद दिनांक कि 15 अप्रैल 2025 को दिए गए फैसले में बाल तस्करी के संरक्षित भेदककों को लेटने के लिए कई संसभगत सुधारों का निर्देश देकर गया था।

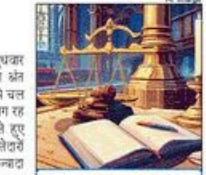
10 साल से दंपती अलग, 80 केस, SC ने ‘महाभारत जैसी’ वैवाहिक लड़ाई खत्म की

Rajesh Choudhary @timesofindia.com



■ नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक ऐसे वैवाहिक विवाद का अंतिम कर दिया, जो पिछले एक दशक से चल रहा था। कोर्ट ने 10 साल से अलग रह रहे दंपती का विवाह खत्म करते हुए कहा कि दोनों पक्षों, उनके रिश्तेदारों और वकीलों के खिलाफ 80 से ज्यादा मुकदमों दर्ज हो चुके हैं। शीर्ष अदालत ने इस पूरे विवाद को वैवाहिक लड़ाई का महाभारत करार दिया। कोर्ट ने खत्म होने पर पति के आधार पर पत्नी को नुकसान नही देना। पैसे से वकील पति पर कोर्ट ने निर्णयों की कि उसने अपनी बालुनी जनकरी का इन्तेमाल मुकदमों को जमा खींचने कायदा की बंधित करने और पत्नी की ओर से पैसा हो रहे वकीलों को उदारने-धमकाने के लिए किया।

कोर्ट ने पति को उस दंपती को भी खारिज कर दिया, जिसमें उसने खुद को गुवाच बना देने में असावधानी बजाया था। अदालत ने कहा, बेटे को परखी और बहू को जीवन-व्ययन खर्च को देखते हुए पत्नी अधिक संसाधनों को जरूरत है। कोर्ट ने पत्नी को निर्देश दिया कि वह पत्नी को 5 करोड़ रुपये स्वयं की गुवाच भए है।



मैटिनेस पर कोई बहाना नहीं चलेगा

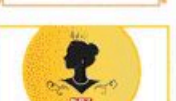
विवाद पूर्ण तरह टूट जाए और मुकदमोंबाजी उलझान कर रूप ले ले, तो सुप्रीम कोर्ट अतिरिक्त 142 के सहित निर्णायक फैसला कर सकता है। इस केस में पत्नी और बच्चों को खर्च मिलना देकर कोर्ट ने साफ किया कि पति द्वारा पत्नी को खर्च मिलना या पत्नी को खर्च मिलना बचकाना चिन्मापरी से नहीं बंध सकता।

स्पीकिंग ट्री रिट्रीट

येगू, पान, मीन और अत्यधिक जनसंख्या का दिवस समन। तीन दिवसीय इस रिट्रीट में होम जर्ज, सुसुन और अतिरिक्त रीति का समन। असावधानी के संरक्षित में यह वाज अवसर और तीन समन का मेजबान समिति है।

आपका कोशल कुमार के सन्निध्य में रक्षाण प्रवेश आभन, प्रवेशराल
रिडि 17 से 19 अप्रैल 2026
सुख मान 9999/-
सं. 0000

सीटें सीमित हैं, आज ही पंजीकरण करें!
रिजिस्ट्रेशन कराने के लिए नोबे रिट गैर नंबर पर सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे के बीच कॉल करें या अपने किलर बटन पर भेजें।
7003890071



मौद का हिस्सा बनना उसकी फिकरत नहीं। यह आज की नारी है, यह 'Gen She' है। IRA 2026 विना रिटोने के बिना किसी बमाडट के। अपनी शक्ति पर जीने वाली निहार लड़कियां। सुरक्षा अब सिविली की संकेतक नहीं। हुनर और सीमा की मिरात वने। आज ही रजिस्टर करें।
बंद संसभ नंबर -7003890071

श्रीनगर-जम्मू नैशनल हाइवे खुला

■ श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन दिन बाद गुरुवार को गाड़ियों की आवाजाही बहाल कर दी गई। कम्मौर के सभजन जिले में मुस्लिम के कारण यह राजमार्ग बंद था। (IANS)

US में सिखों के खिलाफ हेट क्राइम रेकार्ड स्तर पर

■ NBT फोटो

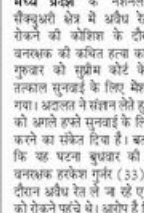
अमेरिका में 2025 के दौरान कुल हेट क्राइम के मामलों में करीब 11% की कमी आई है, लेकिन सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा में गंभीर चिंता पैदा कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, सिखों के खिलाफ हेट क्राइम रेकार्ड स्तर तक पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सिख समुदाय पहले से ही गैर-सामान्य रूप से संरक्षित रहते हैं, लेकिन अब लंबे समय तक बना रहत है।

उनके खिलाफ हमलों में तेज बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसी के साथ, सैन्टोने समुदाय के खिलाफ भी असावधानी बढ़े हैं और 34 साल में पहली बार वे सबसे ज्यादा निशाने पर रहने वाले शीर्ष तीन समुदायों में शामिल हो गए हैं। हालांकि, पहली समुदाय के खिलाफ हेट क्राइम में करीब 29% की कमी दर्ज हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध या आतंकी घटनाओं की वजह से हेट क्राइम को बढ़ावा है और इनका अंतर लंबे समय तक बना रहत है।

चंबल सैक्युअरी में अवैध खनन रोकने गए वनरक्षक की मौत, SC ने ब्योरा मांगा

■ NBT फोटो: नई दिल्ली



मध्य प्रदेश के नैशनल चंबल सैक्युअरी क्षेत्र में अवैध खनन रोकने की कोशिश के दौरान एक वनरक्षक की बंधित हत्या का मामला गुवाच को सुप्रीम कोर्ट के सामने तत्काल सुनवाई के लिए भेजा गया। अदालत ने संरक्षित क्षेत्रों को अगले हफ्ते सुनवाई के लिए निवृत्त करने का संकेत देकर है। बतवा गया कि यह घटना गुवाच को है, जब वनरक्षक हरेकेश गुर्जर (33) साल के दौरान अवैध खनन से लड़ रहे एक ट्रेक्टर को रोकने पहुंचे थे। अंततः कि ट्रेक्टर

कोर्ट पहले भी दिखा चुका है सख्ती
सुप्रीम कोर्ट पहले ही धरल क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर सख्त रुख दिखा चुका है। पिछले सुनवाई में अदालत ने कहा था कि रेत माफिया के खिलाफ निवारक निरोध कानून तक लागू किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी माना था कि असावधानी क्षेत्र में अवैध खनन परावरण, पनखीय और कानून-जायदादा- लेनी के लिए शरीर खारजा बन चुका है।

कोर्ट ने साफ किया कि पति द्वारा पत्नी को खर्च मिलना या पत्नी को खर्च मिलना बचकाना चिन्मापरी से नहीं बंध सकता।

MARUTI SUZUKI ARENA

LEAD WITH STYLE. FINANCE WITH EASE. **AVAIL LOAN @ 3.99%**

BREZZA

DRIVE. PLAY. LEAD.

5-CNG MILEAGE **25.51 km/kg**

EFFECTIVE PRICE OF **₹7.81 LAKH***
VALID UP TO 30th APRIL 2026

INDIA'S FAVOURITE COMPACT SUV

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

CONTACT US AT **1800-102-1800**

*As certified by JATO Dynamics dated 22nd December 2025 for period Feb 2015 to Oct 2025. Terms and conditions apply. Please contact your nearest dealership for details. Features, accessories, and specifications may vary by variant and are subject to change without prior notice. Images are for illustration purposes only. Offers and prices may differ by variant, model, location, and city, and are subject to change or withdrawal without notice. Offer values represent the maximum applicable benefits and include consumer, exchange, and institutional/fleet offers (where applicable) on select models/ variants. *The effective price for Brezza of ₹7.81 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹15,000, exchange/scrappage bonus of ₹25,000, rural/RISL offer of ₹5,000 and Others offer of ₹0 from the ex-showroom price (LX) of ₹8.26 Lakh. The actual Effective Price mentioned may vary based on the customer's eligibility, profile, and applicable offers at the time of purchase. Finance is at the sole discretion of the financier. *Fuel efficiency is as per the test result of Rule 115 of Central Motor Vehicles Rules, 1989. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. *Scheme valid for limited period. Finance at the sole discretion of the financier and may vary based on customer profile. Special Rate of Interest may vary basis subvention amount and customer credit evaluation by the financier. Customer may choose to avail either special rate of interest or applicable customer offers. Offers & price may vary as per model/variant. Limited period offer by select financiers.



Joyalukkas
World's favourite jeweller

Shop Online @ joyalukkas.com

जोयआलुक्कास

**Akshaya
Tritiya**

CASHBACK

UTSAV

ऑफर 20 अप्रैल
तक मान्य



SHOP NOW

... मुफ्त ...
₹ 2000 का
गिफ्ट वाउचर

₹75,000 और उससे अधिक के हीरे, अनकट हीरे और प्लेटिनम ज्वेलरी की खरीद पर

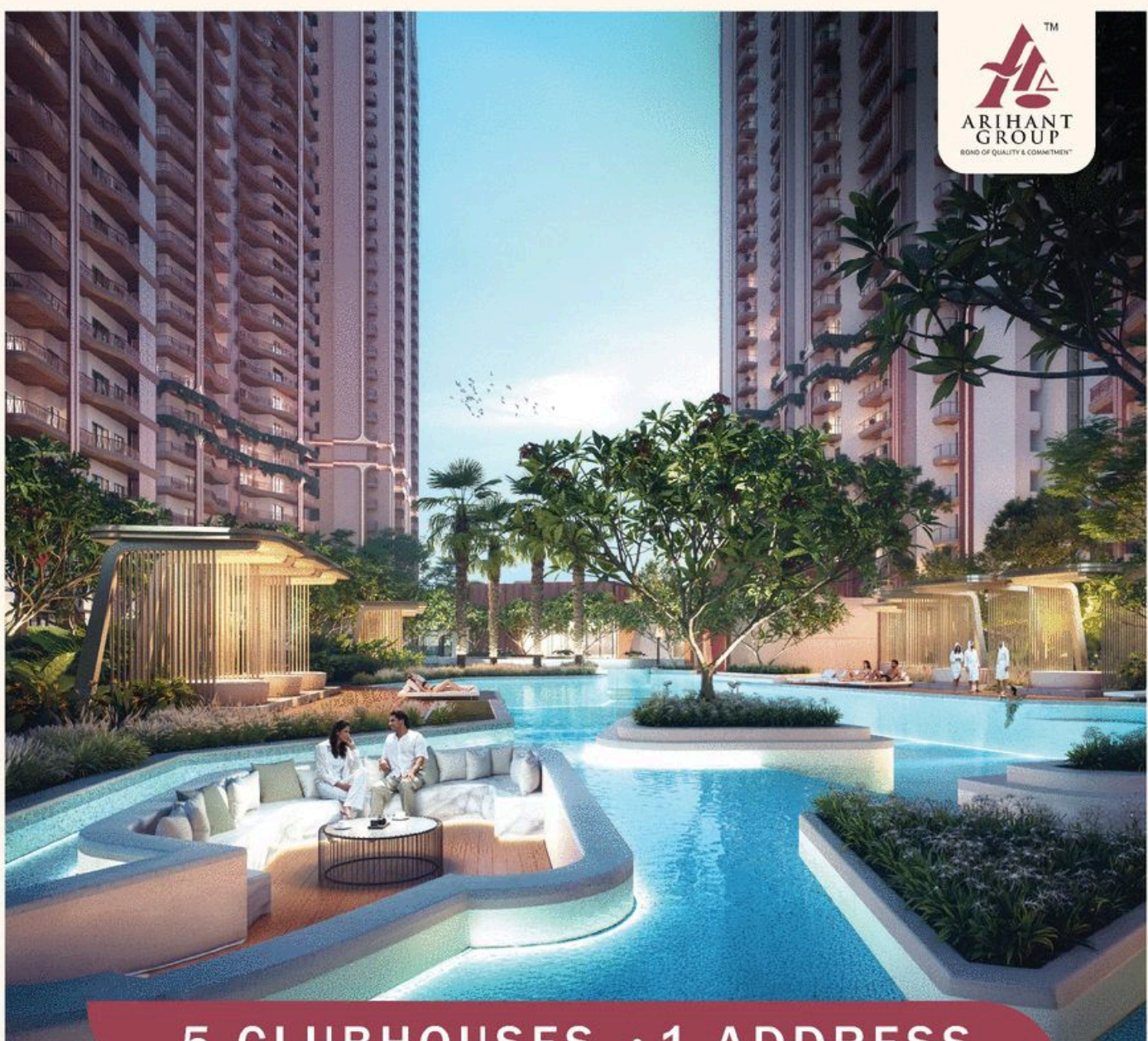
... मुफ्त ...
₹ 1000 का
गिफ्ट वाउचर

₹75,000 और उससे अधिक के सोने और कीमती ज्वेलरी की खरीद पर

किसी भी ज्वेलर से खरीदा अपना पुराना सोना बेचें और 15 मिनट में नगद प्राप्त करें।

NEW DELHI: PUSA ROAD, PH: 011 25722777 • GURGAON: GOLD SOUK, PH: 0124 2577455
NOIDA: SOM DATT TOWER, MOB: 09811664916 • SOUTH EX.: NEAR SOUTH EX. FLYOVER. PH: 011 24333343

INDIA • USA • UK • UAE • OMAN • QATAR • BAHRAIN • KSA • KUWAIT • SINGAPORE • MALAYSIA • AUSTRALIA



5 CLUBHOUSES · 1 ADDRESS

Infinite INDULGENCES

SECTOR 22D, YAMUNA EXPRESSWAY
REVEALING SOON

**EXPRESS YOUR INTEREST BY PAYING ₹10 LAKH*
& GET PRE-LAUNCH BENEFITS UP TO ₹41.86 LAKH***



SCAN TO EXPERIENCE A LUXURY RESORT LIFE

www.arihantbuildcon.com

Arihant Seasons - RERA No. UPRERAPR2974543/02/2026 | www.up-rera.in/viewprojects
Disclaimer: Visuals and information are indicative and for representational purposes only. All details are subject to statutory approvals and final agreements.

80100 00108

TSC-APPX



अगर लेबनान पर हमले हुए तो बातचीत बेमानी : ईरान
▶ देखें अंदर

NBT

नवभारत टाइम्स

ट्रंप क्यों बोले- ऐसा नहीं हुआ, तो फिर बड़े हमले होंगे
▶ देखें अंदर



एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 19001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का ऑनलाइन प्रसारण करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें। या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

TATA की पेशकश

TANISHQ

Hues

natural gemstones,
vibrant colours



यह अक्षय तृतीया मनाइए तनिष्क के साथ। पन्ना, गुलाबी टूर्मेलीन, और चमकते कुदरती रत्नों का अनुभव लीजिए खूबसूरत आधुनिक डिजाइन्स में। उस नारी के लिए जो जहाँ भी जाती है, दुनिया को और रोशन कर जाती है।

20% तक की छूट*
गोल्ड ज्वेलरी के बनवाई शुल्क और ड्रायमैज के मूल्य पर

₹201
प्रति ग्राम गोल्ड ज्वेलरी की खरीद पर

फेस्टिवल ऑफ एक्सचेंज
स्मार्ट पुनःवा कीजिए
100% एक्सचेंज कूप वॉचर

ऑनर 10 अप्रैल - 20 अप्रैल 2026 तक

*गोल्ड रेट प्रोटेक्शन - गोल्ड की बढ़ती कीमतों से बचने के लिए एडवांस में बुक करें।



36 लाख भारतीयों ने अपने पुराने सोने को बनाया भारत की नई ताकत

आज, भारत अपना 99% सोना आयात करता है। अपने पुराने सोने को एक्सचेंज करके आप आयात कम करने में मदद कर सकते हैं।

GOLD EXCHANGE





नेतन्याहू लोगों की जिंदगी को गंभीरता से नहीं लेते। ये सहना मुश्किल। सीज़फायर में लेबनान भी रहे। - पेद्रो सांचेज़, स्पेन के प्रधानमंत्री

NBT नवभारत टाइम्स



ये हमले सीज़फायर के बने रहने के लिए सीधा खतरा है। लेबनान को सीज़फायर में पूरी तरह शामिल किया जाना चाहिए। - इमैन्युएल मैक्रों, फ्रांस के राष्ट्रपति

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 19001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 19001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

गाजियाबाद में सबसे अधिक भूजल दोहन
■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : प्रदेश के 75 जिलों में गाजियाबाद भूजल दोहन के मामले में खतराकार मगर पर पहुंच गया है। प्रदेश का औसत भूजल दोहन 70 प्रतिशत है। गाजियाबाद में यह 123.75% तक पहुंच है। इसका मुख्यतः आधुनिक खेती और सिमेंट आदि इंधन 2025 की रिपोर्ट में हुआ है।

खबरों के अंदर की बात
NBT Lens
देशों पेज 6, 8 और खेल पेज

अर्थसार
सेक्स 76,631.65 (+931.25)
निफ्टी 23,775.10 (-222.25)
रुपया डॉलर 92.71 (+0.35)
रुपया यूरो 108.09 (-0.30)
शेअर मार्केट इंडेक्स रिपोर्ट

सर्वाफा
योगा स्टैंड (99.5)
युद्धांगी 10 इन 11,54,900 (-1,500)
वापस 999 टॉप प्रॉटी मिनेरल 12,43,200 (-7,800)
शेअर, अंडर वॉशिंग मशीन, एंटीबैक्टीरियल

मौसम
अधिकतम तापमान 30.8
16.3
सूर्योदय 6:44 सूर्यास्त 6:00
असम में ज्वार-भाटा साफ रहेगा। दिन में तेज हवाएं चल सकती हैं।

ईरान को शर्तें न मानने पर बड़ा हमला करने की धमकी, उधर इस्त्राइल से हमले रोकने को कहा

डॉन को समझना मुश्किल ही नहीं...

ईरान बोला- US को चुनना होगा युद्धविराम या इस्त्राइल के जरिए युद्ध, इस्त्राइल ने लेबनान से सीधे बात को मंजूरी दी

ट्रंप ने कहा, बात नहीं बनी तो हमारी सेना अगले विजय अभियान की तैयारी में

डॉन यानी डॉनल्ड ट्रंप के दिवंगत में क्या चल रहा है, यह कोई नहीं जानता। समय-समय पर डॉन को याद करने के बाद उन्होंने सीज़फायर को समर्थित दे दी। लेकिन उसके बाद इस्त्राइल ने लेबनान में हमला किया। ईरान और पाकिस्तान कर रहे हैं कि युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर हमला नहीं करने की बात थी लेकिन ट्रंप इससे साफ इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि मेरी सेना तैयार है, पहले से ज्यादा छातक बाल्व के साथ और अगर भीड़ भंग ईरान को उस पर और ज्यादा छातक हमले कर देगा। इस्त्राइलबल में फल से बावचीत की तैयारी से रही है जिससे युद्धविराम संभव नहीं है।



लेबनान के कस्तूर में इस्त्राइली हमलों के एक दिन बाद का दृश्य।

ट्रंप-नेतन्याहू की बातचीत, वार्ता से जर्गी उम्मीदें

डॉनल्ड ट्रंप ने इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू से लेबनान में हमलों को कम करने के लिए कहा है। एनबीटी न्यूज के मुताबिक, ट्रंप ने बुधवार को फोन पर नेतन्याहू से बात की। लेबनान पर हो रहे हमलों को सीमित किया जाए, ताकि ईरान के साथ चल रही बातचीत पर कोई असर न पड़े। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि ट्रंप का यह कदम ईरान के साथ शर्तों वार्ता को सफल बनाने के लिए उठाया गया। वही खबर है कि नेतन्याहू ने लेबनान के साथ तैयारी जारी हो चके सीधे बातचीत करने को मंजूरी दे दी है। इस्त्राइल और लेबनान को बावचीत अगले हफ्ते वॉशिंगटन में शुरू होने की उम्मीद है। वहीं ईरान-US वार्ता के लिए पाकिस्तान ने इस्त्राइलबाद में दो दिन की छुट्टी की है। >>> पेज 2

एम्पी/एफपी, तेल अमीच/लिरान
यूएवी की जंग में बुलंदी पूरी होने तक ही निरवरोध बल इस्त्राइलबाद में होने वाली शर्तों वार्ता पर टिकी होगी। जर्मनी ईरान और अमेरिका के बीच अरबों-दशकों की बैकल में वियथ का फैसला होने वाला है। उससे पहले ही लेबनान पर बरसते इस्त्राइल के बमों का धुआं शर्तों वार्ता पर संकेत के बतल बनकर मंडरा रहा है। ईरान ने कहा, अगर हमने जूरी रहते हैं तो बावचीत बेमानी हो जाएगी। ईरान ने होमुरुज स्टेट को फिर से बंद कर

कहोने वाले समझौते के लिए प्रतिबद्धता की कमी का खतरा-नक संकेत है। अगर लेबनान पर हमले हुए तो बावचीत बेमानी ही। ईरान के साथ द्विपक्षीय पर ही रहेंगे। - नरुद पंजीरिकावत, ईरान की राष्ट्रपति

जब तक असली समझौता पूरी तरह लागू नहीं हो जाता, सभी अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक ईरान के आसपास रहेंगे। ऐसा न हुआ तो फिर बड़े हमले होंगे। अमेरिका इज बैक। - डॉनल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति

असम-पुडुचेरी में आजादी के बाद रेकॉर्ड तोड़ वोटिंग

Maneesh Aggarwal @timesofindia.com
■ नई दिल्ली: असम, केरल और पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान रिटायरुष चटनने और के छोड़ते हुए शांतिपूर्ण संगठन हो गया। तीनों ही राज्यों में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने अधिक मतदान किया। इनमें असम और पुडुचेरी में

पुडुचेरी में 89.53% मतदान हुआ। इससे पहले असम में सबसे अधिक 84.67% मतदान 2016 में हुआ था। पुडुचेरी में 2011 में रेकॉर्ड 86.19% वोट डले थे। इन तीनों ही राज्यों में हुए मतदान के यह रेकॉर्ड टूट गए। केरल में इससे पहले 1960 में रेकॉर्ड 85.77% मतदान हुआ था, जो इस बार 78.03% रहा।

सुनेत्रा पवार के मुकाबले कांप्रेस ने हटाया कंडिडेट
■ कांडेस ने महाराष्ट्र में बरतनकी विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए अल्प बहुमत बना लिया है। इस सीट से टिपलत अजीत पवार की पत्नी और डिप्टी सैक्रेटरी सुनेत्रा पवार चुनकर लड़ रही हैं।

जबरन रिटायर्ड अफसर की नोएडा में 80 करोड़ की प्रॉपर्टी

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा : जिलाधी के जबरन रिटायर किए गए अधिकारियों का मामला पकड़े जाने के बाद इनके खिलाफ विनिर्दिष्ट नाच चल रही थी। विनिर्दिष्ट में रिटायर्ड अफसर को सीधे ही रिटायर्ड में बेमानी सौंपने का भी विकल्प है। केन्द्र सरकार के खिलाफ संकल्पना दर्ज कराया गया है। >>> पेज 2

FOREVERMARK

DIAMOND JEWELLERY

THIS ONE'S FOR ME

MY NEVER-ENDING SYMPHONY. THE NEW AVAANTI™ COLLECTION

DIAMOND GOLD COIN WITH EVERY PURCHASE* THIS AKSHAYA TRITIYA

SOUTH EX-1, NEW DELHI | WAVE ONE, SECTOR 18, NOIDA
1800 210 2121 | www.forevermark.com

DE BEERS GROUP

THE MOMENT PLAN
PAY FOR 10. THE 11TH IS OUR GIFT.

फटाफट खबरें

बच्ची की हत्या का आरोप, मां गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, आगरा: आगरा में गुरुवार रात की घटना के बाद मां गिरफ्तार की गई। पुलिस ने बच्ची को हत्या का आरोप लगाया...

फर्जी तरीके से जमीन का बैनामा

■ NBT रिपोर्ट, मेरठ: फटाफट मिले एक नए खंड की जमीन का बैनामा उलटती गैर कानूनन शिफ्ट का बैनामा...

सहानपुर: इगाड़ में युवक की मौत

■ NBT न्यूज, सहानपुर: सहानपुर जिले में बुधवार दो रात के दौरान एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की...

ब्रिज से गिरा मजदूर, घायल

■ NBT न्यूज, फिरोजपुर: शाह में जम से फटाफट कर के लिए मजदूर का गिरावट हुआ। घायल मजदूर को अस्पताल भेजा गया...

मेरठ में अवैध निर्माण 2 माह में हटाएं, कानून का राज जनभावना के आगे नहीं झुकेगा: SC

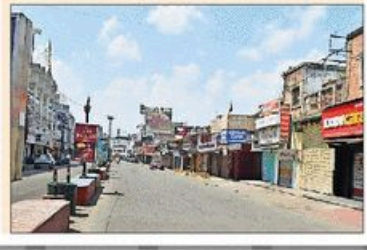
■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मेरठ में अवैध निर्माणों पर सुप्रीम कोर्ट ने नुकसान को कड़ा रुक अनामत हटाने की मांग की...



कोर्ट ने कहा, पहले कानून का राज जनभावना के आगे नहीं झुकेगा...

मेरठ बंद का दिखता असर, सन्नाटा रहा बाजार

■ NBT न्यूज, मेरठ: सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मेरठ को सेंट्रल मार्केट के 44 प्रतिशत को बंद कर दिया गया...



मेरठ बंद का दिखता असर, सन्नाटा रहा बाजार

बिजनौर: MBBS छात्र की रैगिंग के आरोप में 11 सीनियर्स सस्पेंड



छात्रों ने प्रशासन से कर दी थी शिकायत

■ NBT रिपोर्ट, मेरठ: बिजनौर जिले के महात्मा विठ्ठल स्मार्ट कॉलेज के छात्रों ने प्रशासन से कर दी थी शिकायत...

दुधवा बाघ अभयारण्य में 25 गिद्धों की संदिग्ध हालात में मौत

मृत कुत्तों के मांस खाने से मौत की आशंका जताई गई है

■ भाषा, लखनऊ खीरी: दुधवा बाघ अभयारण्य के बाघ जैन की मौत का कारण संदिग्ध हालात में मौत...



दुधवा बाघ अभयारण्य के बाघ जैन की मौत का कारण संदिग्ध हालात में मौत...

आयोग आज जारी करेगा UP की फाइनल वोटर लिस्ट

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: चुनाव आयोग पूर्ण की फाइनल वोटर लिस्ट जारी करेगा...

'फाइनल लिस्ट के बाद भी बदलाव के आवेदन' की सूची के अनुसार रैगिंग के आधार पर नोटिस देने वाले कुछ छात्रों के नाम...

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से बीजेपी का सियासी दांव

■ श्यामा निरंजनी, मेरठ: दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से बीजेपी का सियासी दांव...

अखंडकर जयंती के दिन उद्घाटन 14 अप्रैल को अखंडकर की जयंती के दिन उद्घाटन होगा...

मथुरा: आईपीएल मैच में सट्टेबाजी करते 6 अरेस्ट



मथुरा: आईपीएल मैच में सट्टेबाजी करते 6 अरेस्ट

■ NBT न्यूज, मथुरा: मथुरा सहर बाजार क्षेत्र के ऑनलाइन सट्टेबाजी करने वाले 6 लोगों को अरेस्ट किया...

बुनकर बहुल क्षेत्रों को विकसित बनाएं: योगी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: योगी ने कहा कि बुनकर बहुल क्षेत्रों को विकसित करना सरकार का सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है...



बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ें: CM

CM ने कहा कि उत्पाद की सरलता बाजार की मांग के अनुसार होने पर ही संभव है...

Advertisement for KCC Institute of Technology and Management, featuring 'MBA PLUS' program details, fees, and contact information.

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in